

PIR GURUR



ASHA ARCHA

1. 304

ASHA ARCHA

॥ १८ ॥ ॐ श्री ४ हूं श्री रुद्र सा ह ॥ १९ ॥ ॐ अहं अहं क्रीं श्री देव द
 र्मा लय २ हूं रुद्र ॥ २० ॥ ॐ श्री हा ह ४ अमृक स्या मृता नय निहं रु
 द सा ह ॥ २१ ॥ ॐ अ अहं रुद्र ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ हूं रुद्र ॥ ॐ उ उ हूं रुद्र
 ॥ ॐ ॐ ॐ हूं रुद्र ॥ ॐ अ अ हूं रुद्र ॥ ॐ न न हूं रुद्र ॥ ॐ सर्व विद्या धिप नय
 पत्र यक्त मक्त नाशय सर्व जाकि नी ना ना सय २ वधय २ मुख किल
 य २ हूं रुद्र ॥ २२ ॥ ॐ नमो राग वल्यः वक्रा वा बा हूं रुद्र ॥ २३
 ॥ ॐ नमो राग वल्य अप बा दि ल्यः उ बा क मा न व हूं रुद्र ॥ २४ ॥
 ॐ नमो सर्व लक्षण रा या वक्त म ल व की हूं रुद्र ॥ २५ ॥ ॐ नमो वक्रा

सन अति नः अप बा दि न व ल्य क वी न्यु र्ही म नि हूं रुद्र ॥ २६
 ॥ ॐ बा धि सा ध निः का र क ला बी णी हूं रुद्र ॥ २७ ॥ ॐ नमो
 वल्य म हा बा ध ना य सर्व मक्त मृ च य ॐ वल्य म हा बा ध न न्य हूं रुद्र ॥
 ॥ २८ ॥ ॐ अ चल हूं ॥ ॐ हूं रुद्र ॥ हूं ॥ हूं हिं ॥ ॐ श्री य म ना न ह यं
 भा व हूं रुद्र ॥ ॐ अ चि नि चि न मा रा ग व नि हूं रुद्र ॥ हा दि
 कौ च ल्य रु प व न २ क रु २ प्र सू व २ प्र सू व य २ रु न २ ग ण २ व ध २
 क मृ य २ रु मृ य २ मा रु य २ सर्व ण क ना मुख व ध न क र ॥ २९ ॥
 सर्व जा की नी नां य रु रु नः पि ष्ठा व बा धि क ना ना ना धि य २ म च २

मा च य २ च च ल हं रु ॥ ३० ॥ ॥ पद्य पञ्चासंकल्प ॥ ३ ॥
 यिष्ठयमासनाथा गणगुणवदुक्ता लाकपालासूहीला यक्रात्रकापि
 क्षमापिथिगणसकला मानलाकृष्टयाला योगिना योगयुक्तासूला
 चलसहितायानमवयिक्तुं ॥ अद्यादि उताक्रसमस्तव नय ॥
 पूर्वजन्मकृतं कर्म यद्युज्जमध्वजा यम ॥ सर्वयापविनिमूकध्वजवा स
 रगच्छति ॥ यद्यु न ध्वज ॥ ॥ मूलमहासा ॥ उं डौं डौं वीच वधु हं रु ॥
 धात्र ॥ उं डौं किं गायु डौं हं रु ॥ स्वाहा ॥ धाम ॥ जाकृतालवडादु गथ
 सनय वा न सरु ॥ मूहायक ॥ बलिगय ॥ पूर्ववक्तावनि ॥ धूप नखा रु

व ३ धामपनायायगु के १३ ॥

वाक्कासू ॥ ॥ पूर्ववक्तावनीदवी हं सवाहिनि विवदनि विनवध्वज
 हादवीवक्तावनिनमासुत ॥ १ ॥ उक्तमाहध्वजिधूपध्वजु रु हि
 नाय ॥ ० ॥ उक्तमाहध्वजिदवी ध्वजवध्वजिवाचनि विम्वध्वजिनि
 दवीमाहध्वजिनमामिह ॥ २ ॥ यच्छिमं ॥ उक्तनिधूपकपु रु
 वाक्कासू ॥ ० ॥ यच्छिमं ॥ उक्तनिदवी गजमोयध्वजमिनि कुकुम
 वध्वज ॥ उक्तनिममासुत ॥ ३ ॥ दक्षिनवावाहिधूपनकि रु यवा
 मन्त्रादू ॥ ० ॥ दक्षिनवावाहिदवी धात्रमूकि विवाचनि सिध्वन
 वध्वजिवावाहिनमासुत ॥ ४ ॥ अग्निकामाविध्ववान रुगुवज

आह ॥ ० ॥ अग्निकामात्रीदवीचक्रवर्णसमस्ति तं मयत्र कागादि
 नि नमामि वाचकामादि ॥ ७ ॥ अथ विष्णुविधुप कृती हारु मधि
 आह ॥ ० ॥ अथ विष्णुविदवीक्षामनय गजुत्तथं संवचक धर्य
 दवीनाचाचनिनभासुत ॥ ८ ॥ वायव्यामूक्षधुप सिद्धा ह मिध
 मह निष्काह ॥ ० ॥ वायव्यामूक्षदवीसिंहमानुछा सेन स्कं कलि
 मूखधर्यदवीचामूक्षनभासुत ॥ ९ ॥ ॐ नमो नूडाच निधुयक सु
 हसियावठि नाय ॥ ० ॥ ॐ नमो वल्लिकादवी धुमवर्ण पुन विनि
 कलि मूखधर्यदवीचैदिकाचनभासुत ॥ १० ॥ ॐ नमो धीरं ववाय

सकवहा ना विभक्तं सर्वस्य विकृतानुनं कर्तुं वल्लु विप्रया क्रंतु मयव
 दगधालिनं कलि वक्तु मित्रिकु कं हाउचर्म विरु विनं हाउरुवद
 हयित प्रक कं वज्रं प्रवर्तनमामिह ॥ ११ ॥ ॐ नमो सांनिक उग
 मसुजगति कृता रावगकृता अर्द्धवल् ॥ धनूना कि सक मा ॥ नमो नमो निऊरु
 नथा विधिना ॥ ॥ यूनं कुयू ॥ ॐ मदनकाय ॥ ॐ मसुदया मंद
 उगम ॥ विमियू नानायसू गवहि नया अ वामगम कि सी आदि नाना मि
 नाया ॥ विरुं उगम ॥ हिउगमक मलरुक रुपायया सि कंद वियू ॥ सिमा
 रुल उमर्द्ध अदिक सताया वाउं ग्या कंद विया वठकं उगम ॥ ॐ मसु अरु



पुनः शक्ति

हो मास

पाणिनीय

उवाच शिववाच

कथं

या

का

येन

इति

हिसादि

सुखा

ॐ भगवते नमः

नामिष्यन्

सर्वेषां

वृत्त

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

यावाङ्कस्यानसाञ्जुद्धवल्डजम् ॥ धनवधधयध्वं कान् रुषिवाथुमिस्थानसा
ध्वंवाङ्कवाङ्कजम् ॥ नमजम् ॥ धनिकि ॥ ॥ नयनयधीनकिमिदयकल
सा ॥ नयकं थवाकदूयकं नय ॥ रंवाग् १२ थन रंवासनय ॥ अ १ जाक २ अ ३
म्वा ४ मास ५ कंनगुडकुमिनयनसा ६ हास रेवका १० ॥ का ११ वि १२ ॥ ०
जासिकसिअग्निक्नसक्तन ॥ नारुमानेअनक्नसक्तनय ॥ गुरु वायुक्नसक्तनय
धलया ॥ सा नक्नसक्तनय ॥ ॥ ॐ अ हूं ॥ कनसमक्त ॥ ॐ व नू ॥ यस्वाहा ॥
नागायायामक्त ॥ ॐ उ क्रु स नायमीय हूं ॥ उ क्री जलया मक्त ॥ ॐ व सू ध्र स्वाहा ॥
सग्वधयियामक्त ॥ ॐ सिद्धि न क्री यस्वाहा ॥ धी न क्री यामक्त ॥ ॐ द ह्यो धवाउ

हूं रु ॥ किजनयामक्त ॥ ॐ समय अग्नि हूं रु ॥ जासिकसियामक्त ॥ ॐ सिवा
वमिय सर्ववृ हूं ॥ वाहामायामक्त ॥ ॐ व साक सन सूचिसि न हूं ॥ गुरु या
मक्त ॥ ॐ उं उं ग ना ग ना जा हूं रु ॥ धनयायामक्त ॥ ० ॥ ॐ द विदवी रु
कं ॥ अलिखनासुक्तनम ॥ माल अ मूकाकं हाया विं नू यूमयि जाव ॥ द व द्ध न
मक्त ॥ धा १० ८ ॥ ॐ रु द उ द न रु न म स्वा हा ॥ धा १० ८ ॥ रु न रु न मक्त ॥ ॐ वृ द
उ द न वृ न म स्वा हा ॥ धा १० ८ ॥ पि ह म व द्ध न मक्त ॥ ॐ स्व स्व स्व स्वा हा ॥ धा १० ८ ॥ ॐ
वाधयायामक्त ॥ ॥ ॐ म ति ध वी व डी ति म हा य नि स न हूं हूं रु रु रु रु स्वा हा
निना न सक्तनय ॥ ॐ अ म न व व व व व व व वि धु हूं हूं रु रु रु रु स्वा हा ॥

शाव

॥ साहसुप्रनि॥



एतन्मायुनिः॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१ वागुक्क १ धामिमे
१ धानेव १ दाननि
१ दलभा १ मेगु
१ दनेवहि १ धेनिपुन
१ नुगमव १ अग्निपुन
१ कुकोल १ नागपुन
१ मेरेणीवाक्क १ वायुपुन
१ मज्जिग १ यवनरोमव
१ अथक्कका १ यानापुन
१ एकक्कका १ अकयुन
१ हाक्कअपा १ यनासेगु
१ हितिमंग १ मेरेणी
१ सिम्वेसगु १ वुयिनाय
१ र्गसव १ मयिनाय
१ नाउरेनव १ खोसिदअ
१ दासुदअ १ किं
१ कसेर १ कु
१ ममेव १ गादअ १ हलवा
१ नहाइ १ वुनिदअ
१ सिंदअव १ मेरेगु
१ अल १ ओदहा
१ ददिनइमद १ खामावा

१ गमडे १ जलगाहाम
१ धमथ्वेवसि १ धानावाहा
१ धमक्कक्कि १ कथनाक्क
१ खण १ नगानवा
१ रुतस्वा १ मडादअक्क
१ यदग १ यक्किमदंतद
१ यव १ डकेले
१ खान १ डागमेवल
१ गलदवा १ कतिः याधनक
१ वयोधिलि १ मडामवा
१ कक्कविधमध १ मेरेणी
१ खगाकगवति १ तववाइवा
१ वावसलखति १ मले १ मेरेनिथ
१ मसिवहि १ चकुववा
१ कम्बुकि १ रुयिदहि
१ मेरेणी १ मिरुवा
१ मगाय १ गागानिथ
१ मियान १ खोमः अनाकद
१ कवाहा १ कसअमन
१ वक्कआगिनि १ सुवग्मन
१ कुयवाय १ दिग
१ नवगले

२ वनिष्ठयकथशत्रु

२ पूर्वमहाकारहेनववा

२ कृतपुष्प २ अयवाग्यध्वनी

२ जमल २ अकध्वनी

२ पत्रमध्वहिमि २ मध्वनपु

२ नोडोपात २ अजाशेनअ

२ नैसीरुगवहिः २ खासावेले

२ धीवानाहि २ रुवदअ

२ भालपगा २ हावमानदअ

२ खलो २ गवकर्क

२ मेनिध २ कलिः वरु

२ सिरुले २ किलध्वन

२ कथुवहिः २ गुगाह

२ शोरुसना २ वडाजागिनी

२ धन् २ वावहिः २ साइन २ यनाव

२ गुकध्वनी २ अहतिथ

२ मगधनी २ नअवृद्धाः दुर्जे

२ गवत्रखनाथ २ छवाघीः वूमधि

२ पसूपति २ गधुमाका

२ वाछुकि २ सुनधं

२ वरुवाधवी २ छनानिम

२ थिमदअ २ ननवाह

२ कोथकी

२ रुलेयसिको

२ गधवीह

२ रुनां २ गडापुष्प

२ नवहि २ को

२ पुनदअव

२ र्नेरुमाका

२ पूर्वदमठका

२ दक्षिणयां

२ शिमल्यं नरुआपा

२ पवित्रि २ धमध्वन २ सिनमर

२ कोथुपिथ २ कृष्णाध्वन २ वनमत

२ दानागमन २ लाहनाद २ वनेप

२ अन्नयादा २ वावाह २ मनिद्ध

२ थुसावाहा २ कोयुना २ संसुवाह

२ गडादह २ धीध्व २ मनावृद्ध

२ वृगा २ को

२ दक्षिधमध्व २ जल २ कादिमि

२ कादअ २ रुनया २ रुगल

२ कोलेष २ सुलेकुध २ रुगाप

२ नका २ यगाव २ आथवा

२ कोरु २ थरु

२ कोथरुगुदअ

२ र्पवनी २ कोमि

२ संखभान

२ पुनया

२ हासाघना

२ ननिवेदअ

२ रुसपंस्याधका

२ कुमानोद

२ कोकुदा